यूटीयू ने खारिज किए डिजिटलाइजेशन में अनियमितता के आरोप

त्रुटिपूर्ण मार्कशीट व उपाधि जारी करने में हो सकती है संस्था व छात्र की मिलीभगत : कुलपति

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। वीर माधोसिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय ने डिजिटलाइजेशन में अनियमितता के आरोपों को खारिज किया है।कुलपति डा.ओंकार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में सत्र 2022-23 से विश्वविद्यालय की प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता, गुणवत्ता, समयबद्धता के साथ जिम्मेदारी तय करने के प्रयासों के अन्तर्गत किये गये ईन्ड टू ईन्ड डिजिटलाइजेशन की व्यवस्था के बारे में दुष्प्रचार किया जा रहा है।

कुलपति डा.ओंकार सिंह ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा समस्त गतिविधियां शैक्षणिक सुशासन के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अधिनियम में दी गयी शक्तियों की प्राधिकारितानुसार राज्य सरकार द्वारा निर्धारित व्यवस्था का अक्षरशः अनुपालन करके संचालित की जा रही हैं। इसमें किसी भी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं की गयी है। यह भी बताना है कि विश्वविद्यालय के डिजिटलीकरण प्रक्रिया में तैयार किया गया पोर्टल समग्रता से वेबसाइट, मोबाइल पैप के साथ प्रवेश से दीक्षान्त तक की समस्त शैक्षणिक गतिविधियों के साथ सम्बद्धता, वित्तीय प्रबन्धन, प्रशासनिक कार्यों आदि के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। इसके अटैंडडेंस मैनेजमेंट सिस्टम से प्रदेश भर की सम्बद्ध / परिसर संस्थानों में शैक्षणिक अनुशासन स्थापित करने में सहायता मिली है, तथा न्यूनतम उपस्थिति हेतु छात्रों को कक्षाओं में लाने में काफी हद तक सफलता प्राप्त हुई है, और अभिभावकों को भी उपस्थिति का विवरण रियल टाइम बेसिस पर ऑनलाइन दिया जा सका है। उन्होंने कहा कि इसी पोर्टल के माध्यम से आन स्क्रीन डिजिटल मूल्यांकन कर प्रत्येक छात्र को ईमेल से सूचना देते हुए मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन परीक्षाफल निर्माण से पूर्व सफलापूर्वक विगत दो सत्रों से कराया जा रहा है। इसी पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय में ऑनलाइन काउंसिलिंग कर प्रवेश की सम्पूर्ण प्रक्रिया को एकल खिडकी आधारित किया गया है और यथा आवश्यक चरणों में नियमित काउंसिलिंग / स्पॉट काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश नियमित किये जा सके है। डिजिटलीकरण की इस प्रक्रिया से ही स्कालर एट ए ग्लांस की सुविधा जिससे छात्र विश्वविद्यालय में अपनी अद्यतन शैक्षणिक यात्रा का विवरण प्राप्त कर सकते हैं,उपलब्ध हो सकी है। समग्रता से तैयार पोर्टल के क्रियान्वयन से पूर्व कोई एकीकृत डिजिटल प्रणाली नहीं थी। विश्वविद्यालय द्वारा ईन्ड टू ईन्ड डिजिटलाइजेशन किये जाने से वर्ष 2022-23 से पूर्व में किये जा रहे प्रवेश काउंसिलिंग, प्रश्न पत्र मुद्रण, मार्कशीट, टेबुलेशन, रजिस्टर प्रिंटिंग, डिग्री प्रिंटिंग, मूल्यांकन केन्द्र व्यय, मूल्यांकनकर्ता के टीए/ डीए आदि के पृथक-पृथक हो रहे व्यय के अनुरूप ही वर्तमान में समग्रता से उक्त के साथ-साथ उत्तर पुस्तिका के अवलोकन आदि अत्यधिक सुविधाओं को सभी हितधारकों के व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से एक ही पोर्टल पर उपलब्ध कराया जा रहा है जो कि इस स्वरूप में वर्तमान में समर्थ पोर्टल पर नहीं है।

कुलपति डा.सिंह ने बताया कि इस प्रकार यूटीयू द्वारा अपनी प्रतिक्रियाओं को डिजिटलीकरण कर सम्पूर्ण तंत्र को छात्र हित में पूर्ण पारदर्शिता के साथ दक्ष एवं जवाबदेही बनाने का कार्य किया गया है।